



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 43]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 23, 1993/कार्तिक 1, 1915

No. 43]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 23, 1993/KARTIKA 1, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य  
क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किये गये साधारण सांविधिक  
नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general  
character) issued by the Ministries of the Government of India (other  
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities  
(other than the Administration of Union Territories)

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 7 मितम्बर, 1993

सा. का. नि. 512:—भारत सरकार, कम्पनी  
अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की  
उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग  
करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि  
प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना  
संख्या सा. का. नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना  
कहा गया है) में आंशिक उपारान्तरण करते हुए भारत  
सरकार एतद्वारा यह निर्देश देता है कि मसं  
एकम एड (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है)  
के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा  
594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ जैसी  
कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में

अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई है, निम्नलिखित अपवादों  
तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थात्:—

यदि कम्पनी 31-12-92 को वित्तीय वर्ष की शुरुआत  
अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित  
कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियाँ प्रस्तुत  
करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क)  
के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा:—

(i) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्ति तथा किये  
गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण  
(1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा  
(i) के खण्ड (घ) के अन्तर्गत आदेशिका की सेवा  
स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति,  
तथा (2) भारत में कार्यरत शासप्राप्त लेखापाल  
द्वारा किया गया है।

(ii) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा  
निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की  
परिसम्पत्तियाँ तथा देयताओं का विवरण, तथा

- (iii) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाणपत्र कि कम्पनी ने 31-12-92 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या 50/30/93सी.एल.०३]  
धर्म पाल, अवर सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(Department of Company Affairs)  
New Delhi, the 7th September, 1993

G.S.R. 512.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby direct that in case of M/s. Action Aid (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the recruitments of clause (a) sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-12-1992 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India.
- (ii) A Statement of the Company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-12-1992.

[No. 50/30/93-CL.III]  
DHARAM PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1993

सा. का. नि. 513 :—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपरान्तरण करते हुए भारत सरकार एतद्वारा यह निर्देश देता है कि मैसर्स बेक्टन डिकिन्सन एसिया लि. (जिसे इसमें बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपांतरित की गई हैं,

निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कम्पनी 30-9-92 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा।

- (i) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (i) के खण्ड (घ) के अन्तर्गत आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति तथा (2) भारत में कार्यरत शासनाप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।
- (ii) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (iii) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 30-9-92 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या 50/29/93-सी.एल.-३]

धर्मपाल, अवर सचिव

New Delhi, the 6th October, 1993

G.S.R. 513.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby direct that in case of M/s. Becton Dickinson Asia Limited (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the recruitments of clause (a) sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 30-9-1992 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India.
- (ii) A Statement of the Company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 30-9-1992.

[No. 50/29/93-CL.III]  
DHARAM PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1993

सा. का. नि. 514.—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपरान्तरण करते हुए भारत सरकार एतद्वारा यह निर्देश देता है कि मैसर्स कावासाकी हवी इन्डस्ट्रीज लि. (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कम्पनी 31-3-93 एवं 31-3-94 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा :—

- (i) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (i) के खण्ड (घ) के अन्तर्गत आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शासप्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।
- (ii) उपर्युक्त मद (i) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा

- (iii) उपर्युक्त मद (i) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 31-3-93 एवं 31-3-94 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या 50/32/93-सी० एल०-3]

धर्मपाल, अवर सचिव

New Delhi, the 6th October, 1993

G.S.R. 514.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby direct that in case of M/s. Kawasaki Heavy Industries Limited (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the recruitments of clause (a) sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-3-1993 and 31-3-1994 the company in respect of its Indian Business accounts submit to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India.
- (ii) A Statement of the Company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-3-1993 and 31-3-1994.

[No. 50/32/93-CL.III]

DHARAM PAL, Under Secy.

## वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1993

सा. का. नि. 513.—राष्ट्रपति, अधिधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद (समूह "क" और "ख" पद) भर्ती नियमावली, 1985 में आगे संशोधन करने हेतु निम्नलिखित नियम बनाते हैं; अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों को प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद (समूह "क" और समूह "ख") भर्ती (संशोधन) नियम, 1993 कहा जाएगा।
- (2) ये नियम सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. प्रतिभूति मुद्रणालय (समूह "क" और "ख" पद) भर्ती नियमावली, 1985 की अनुसूची में क्रम संख्या 10 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित क्रम संख्या पर प्रविष्टियां शामिल की जाएंगी, अर्थात्:—

# अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अयचन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
-----------	----------------	----------	---------	---------------------------	--	---

1	2	3	4	5	6	7
11. सहायक निदेशक (राजभाषा)	1* (1993) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	केन्द्रीय सामान्य सेवा, राजपत्रित, समूह "ख" अनुसूचिर्वय	2000-60-2300- द.रो.-75-3200- 100-3500 रुपए	लागू नहीं	30 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रिय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)। टिप्पणी:—आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निम्नलिखित तारीख भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी (न कि वह अन्तिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य, के लद्दाख खंड हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपखण्ड, अंदमान और निको- बार द्वीप या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिए विहित की गई है)।	नहीं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	क्या सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं शून्यत व्यक्तियों को दत्त में लागू होंगी	परिभाषा का प्राप्ति, यदि कोई हो
---	---	------------------------------------

8	9	10
अनिवार्यः (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री स्तर पर अंग्रेजी विषय के साथ हिन्दी में मास्टर डिग्री या समतुल्य या किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री स्तर पर हिन्दी विषय के साथ अंग्रेजी में मास्टर डिग्री या समतुल्य या किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री स्तर पर अंग्रेजी और हिन्दी विषयों के साथ किसी भी विषय में मास्टर डिग्री या समतुल्य या किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से हिन्दी माध्यम से और डिग्री स्तर पर अंग्रेजी विषय के साथ किसी भी विषय में मास्टर डिग्री या समतुल्य। या किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अंग्रेजी माध्यम से और डिग्री स्तर पर हिन्दी विषय के साथ किसी भी विषय में मास्टर डिग्री या समतुल्य, और	नहीं	दो वर्ष

8

9

10

- (ii) हिन्दी में ण्डावली कार्य का और/या अंग्रेजी से हिन्दी अथवा हिन्दी में से अंग्रेजी में अनुवाद कार्य का पांच वर्ष का अनुभव जिसमें तकनीकी या वैज्ञानिक साहित्य संबंधी कार्य को अधिमानता दी जाएगी।

या

हिन्दी में अध्यापन, अनुसंधान, लेखन या पत्रकारिता का पांच वर्ष का अनुभव।

टिप्पणी :—1. अर्हताएं अन्यथा सुसहित प्रभुत्वों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।

टिप्पणी :—2. अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित स्थानों का भरने के लिए प्रोत्तित अनुभव रखने वाले उक्त समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त सख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

वांछनीय :

- (i) संस्कृत और/या किसी आधुनिक भारतीय भाषा का ज्ञान।  
 (ii) प्रशासनिक अनुभव।  
 (iii) टिप्पण और प्रारूपण से संबंधित हिन्दी कक्षाएं या कार्यशाळाएं आयोजित करने का अनुभव।

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती जाने वाले रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

11

12

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण जिसके न हो सकने पर सीधा भर्ती द्वारा।

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों के ऐसे अधिकारी।

- (क) (i) जो नियमित आधार पर गवर्नर पद धारण किए हुए हैं, या  
 (ii) जिन्होंने 1640-2900 रूपए या समतुल्य वर्तमान वाले पदों पर 3 वर्ष नियमित सेवा की है, या  
 (iii) जिन्होंने 1400-2300/2600 रूपए या समतुल्य वर्तमान वाले पदों पर 8 वर्ष नियमित सेवा की है, और

(ख) जिनके पास स्तर 8 के अधोल सोधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव हैं।

2. ऐसे विभागीय हिन्दी अनुवादकों के मध्य में जो विचार किया जाएगा जिन्होंने उस श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की है और यदि उनमें से किसी का उस पद पर नियुक्ति के लिए चयन कर दिया जाता है तो वह पद प्रोन्नति द्वारा भरा गया समझा जाएगा। ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नति की सोधे पक्ष में हे प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे।

इसी प्रकार प्रतिनियुक्त व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उर्गा या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले छात्र किम्वा अन्य संलग्न-बाल्य पत्र पर प्रतिनियुक्ति की अवधि, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा नियुक्ति के संबंध में अधिकतम आयु सीमा आवेदन पत्रों की प्राप्ति की अंतिम तारीख के अनुसार 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

वे परिस्थितियाँ जिनमें शर्ती के समय संघ लोक सेवा आयोग में परामर्श किया जाता है

13

14

समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति  
(पुष्टि पर विचार करने के लिए)

प्रत्येक अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग में परामर्श करना आवश्यक होगा।

1. महाप्रबंधक, प्रतिष्ठित मुद्रणालय, हैदराबाद—अध्यक्ष
2. आर्थिक कार्य विभाग का टकसाली और मुद्रणालयों का प्रभारी अधिकारी अथवा उप-अध्यक्ष  
के ऊपर के स्तर का अधिकारी—सदस्य
3. उप-अध्यक्ष (प्रशासन) आर्थिक कार्य विभाग—सदस्य

टिप्पणी :—किसी सीधी भर्ती वाले व्यक्ति की नियुक्ति को पुष्टि करने से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियाँ अनुसूचनाओं प्रायोग का भेजी जाएगी। लेकिन, यदि इनको प्रायोग द्वारा पुष्टि नहीं की जाती है तो संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या कर्म, सदस्य की अध्यक्षता में विभागीय प्रोन्नति समिति की नए सिरे से बैठक आयोजित की जाएगी।"

[स. फा. 1(13)/89-पी.एम. (एसपीपी)]

जं.एम. प्रेषण, अवग. सचिव

पाद टिप्पणी :—मूल नियम दिनांक 14-8-85 की अधिसूचना सा. का. नि. सं. 655(ई) के अनुसार प्रकाशित हुए थे तथा तदनुसार इनमें निम्न अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किया गया था :—

सा. का. नि. सं. 298 दिनांक 4-7-92 मंत्रालय की दिनांक 9-6-92 की अधिसूचना संख्या 1-4-89 पी.एम. (ए.पी.पी.) के अनुसार।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 27th September, 1993

G.S.R. 515.—In exercise of the powers conferred by proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Security Printing Press, Hyderabad (Group A & B posts) Recruitment Rules, 1985 namely:—

1. (1) These Rules may be called the Security Printing Press, Hyderabad (Group 'A' & Group 'B' posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Security Printing Press (Group 'A' and 'B' posts) Recruitment Rules, 1985, after serial No. 10 and the entries relating thereto, the following serial number and the entries relating thereto shall be inserted, namely:—

## SCHEDULE

Name of the Post	Number of posts	Classification	Scale of pay
1	2	3	4
"11. Assistant Director (Official Language)	1* (1993) * Subject to variation dependent on workload	Central General Service, Gazetted, Group 'B' Non-Ministerial	Rs. 2000-60-2300-FB-75-3200-100- 3500.
Whether selection or Non- Selection Post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of the Central Service (Pension) Rules, 1972	
5	6	7	
Not Applicable	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government) Note: the crucial date for determining the age-limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti district and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep).	No	

Educational and other qualifications required for direct recruits

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees

8

9

## ESSENTIAL

No.

- (i) Master's Degree of a recognised University or equivalent in Hindi with English as a subject at the Degree level;

OR

Master's Degree of a recognised University or equivalent in English with Hindi as a subject at the Degree level;

OR

Master's Degree of a recognised University or equivalent in any subject with Hindi and English as subjects at the Degree level;

OR

Master's Degree of a recognised University or equivalent in any subject with Hindi medium and English as a subject at the Degree level;

OR

Master's Degree of a recognised University or equivalent in any subject with English medium and Hindi as a subject at the Degree level.

- (ii) Five years' experience of terminological work in Hindi or translation work from English to Hindi or vice-versa preferably of technical or scientific literature;

OR

five years' experience of teaching, research writing or journalism in Hindi.

NOTE 1:-Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

NOTE 2:-The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to scheduled castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

## DESIRABLE:

- (i) Knowledge of Sanskrit and/or a modern Indian Language.  
(ii) Administrative experience.  
(iii) Experience of organising Hindi classes or workshop for noting and drafting.

Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made
10	11	12
Two years	By promotion/transfer on deputation failing which by direct recruitment.	<p>Promotion/transfer on deputation</p> <p>1. Officers under the Central Government,—</p> <p>(a) (i) holding analogous posts on regular basis; or</p> <p>(ii) with three years' regular service in posts in the scale of Rs. 1640-2900 or equivalent; or</p> <p>(iii) with eight years' regular service in posts in the scale of Rs. 1400-2300/2600 or equivalent; and</p> <p>(b) possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 8.</p> <p>2. The departmental Hindi Translator with eight years' regular service in the grade shall also be considered along with the outsiders and in case he is selected for appointment to the post the same shall be deemed to have been filled by promotion.</p> <p>The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion.</p> <p>(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not exceed three years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation shall be, not exceeding 56 years, as on the closing date of receipt of applications).</p>

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.
13	14
Group 'B' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation)	Consultation with the UPSC necessary on each occasion"
1. General Manager, Security Printing Press, Hyderabad—Chairman	
2. An Officer of the Department of Economic Affairs incharge of Mints and Presses of or above the rank of Deputy Secretary—Member	
3. Deputy Secretary (Admn.), Department of Economic Affairs—Member	
"Note:—The proceedings of the DPC relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the commission for approval. If however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the DPC to be presided over by the chairman or a Member of the UPSC shall be held."	

[No. F.1(13)/89-PM(SPP)]  
G.S. GREWAL, Under Secy.

Foot Note:—Principal Rules were published vide Notification GSR No. 655(E) dated 14-8-85 and subsequently amended vide [Notification No. 1/4/89-PM(SPP) dated 9-6-92] GSR No. 298 dated 4-7-92.

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)  
(केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड)

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 1993

सा.का.नि. 516 :—भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 (1923 का 5) की धारा 31 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार भारतीय बॉयलर विनियम, 1950 में और संशोधन करने के लिए तारीख 13 मार्च, 1993 के भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (i) में पृष्ठ 424 से 428 पर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड की तारीख 24 फरवरी, 1993 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 138 में कतिपय प्रारूप विनियम प्रकाशित किए गये थे, जिनमें उन सभी व्यक्तियों से जिनके उस प्रभावित होने की संभावना थी, उस राजपत्र जिनमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, की सर्वसाधारण को उपलब्धता की तिथि से 45 दिन की अवधि को समाप्त तक आक्षेप और सुझाव मांगे गये थे ;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां ग्राम जनता को 18 मार्च, 1993 को उपलब्ध करा दी गई थीं ;  
और ग्राम जनता से प्राप्त आक्षेपों व सुझावों पर केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड द्वारा विचार किया गया था।

अतः अब भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 (1923 का 5) की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड भारतीय बॉयलर विनियम 1950 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :

1. (1) इन विनियमों को इंडियन बॉयलर (द्वितीय संशोधन) रैगुलेशन कहा जायेगा।

(2) वह राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू होगी।

2. इंडियन बॉयलर रैगुलेशन, 1950 (जिन्हें तत्पश्चात् उक्त रैगुलेशन कहा जायेगा) में रैगुलेशन 2 की क्लाज (जी) के स्थान पर निम्नलिखित को स्थानापन्न किया जायेगा, अर्थात् :—

“(जी) इन्स्पेक्टिंग अथॉरिटी का अर्थ होगा सैन्ट्रल बॉयलर बोर्ड द्वारा रैगुलेशन 4ए से 4एच के तहत मान्यता प्राप्त वह अथॉरिटी जिसे फार्म 11, 11ए या 11बी में प्रमाणपत्र देने को सक्षम करार दिया हो।”

3. उक्त रैगुलेशन में, रैगुलेशन 4 में, उप रैगुलेशन (एफ) में टिप्पण में,—

(क) शुरु में “सुविख्यात ट्यूब निर्माता” के बाद, निम्नलिखित जोड़ा जायेगा, अर्थात् :—

“सैन्ट्रल बॉयलर बोर्ड से रैगुलेशन 4ए से 4एच के तहत मान्यता प्राप्त”

(ख) सुविख्यात ट्यूब निर्माता से प्रमाणपत्र के बाद, निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“जैसा उपरलिखित है”



4 उक्त रैगूलेशन की रैगूलेशन 17 में,

(क) उप रैगूलेशन (ए) के स्थान पर निम्नलिखित उप रैगूलेशन को स्थानापन्न किया जायेगा, अर्थात् :—

“(ए) प्लेट-शील प्लेटों, बट्ट स्ट्रिप्स व प्लेटों, गसट प्लेटों, गेंड प्लेटों, भट्टी प्लेटों व पर्चजिंग प्लेटों के लिए प्रत्येक रोल को हुई प्लेट में से एक टेसाइल जांच पट्टी काटी जाएगी।

(ख) उप रैगूलेशन (बी) को हटा दिया जाएगा।

(ग) उप रैगूलेशन (सी) का पुनर्अंकित उप रैगूलेशन (बी) कर दिया जायेगा।

5. उक्त रैगूलेशन की रैगूलेशन 20 की उप रैगूलेशन (ए) के स्थान पर निम्नलिखित उप रैगूलेशन प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(ए) प्लेट-रोल की गई प्रत्येक प्लेट पर एक ब्रैड टेस्ट किया जाएगा। जीन प्लेट बट्ट स्ट्रिप्स व दूसरी प्लेटों जिनको पर्चज नहीं किया जाता है या आग में काम नहीं किया जाता है या जिन को ज्वाला के सामने प्रयोग नहीं किया जाता है, उन प्लेटों पर ठण्डा बैण्ड टेस्ट किया जाएगा।”

6. उक्त रैगूलेशन की रैगूलेशन 56 में मद (10) के पश्चात् निम्नलिखित मद जोड़ी जाएगी, अर्थात् :—

“(11) मद (10) में किसी भी बान पर विचार न करने हुए, इन्स्पेक्टिंग अथॉरिटी द्वारा निर्माता के प्रांगण का हार्डथ्रालिक टेस्ट छोड़ दिया जाएगा, बशर्ते कि द्यूबों पर किसी उपयुक्त विधि जैसे अल्ट्रासॉनिक या/और एडो करेंट टेस्ट द्वारा नान डैमेट्रिकल टेस्ट किया जाना हो।”

7. उक्त रैगूलेशन में रैगूलेशन 290 की उप रैगूलेशन (ई) के स्थान पर निम्नलिखित उप रैगूलेशन प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(ई) वाल्व और फिटिंग की संख्या (यांत्रिक परीक्षणों के अनिवार्य) जो कि इन्स्पेक्टिंग अथॉरिटी को उपलब्ध कराई जाएगी, निम्नलिखित होगी :

51 मिमी तक ————— 10 प्रतिशत

51 मि.मी. से अधिक व 76 मिमी तक ————— चैस्ट की संख्या का 15 प्रतिशत

76 मिमी. से अधिक व 114 मि.मी. तक ————— चैस्ट की संख्या का 20 प्रतिशत

114 मि.मी. से अधिक ————— 100 प्रतिशत

यदि इन्स्पेक्टिंग अथॉरिटी इससे सन्तुष्ट है कि निर्माता के पास 10.5 कि.ग्राम/से.मी. 2 से अधिक दबाव व 204° सी से अधिक तापमान पर काम में लाए जाने वाले वाल्व के परीक्षण व निरीक्षण के लिए पर्याप्त साधन उपलब्ध हैं तथा वह प्रत्येक फिटिंग का अपने कारखाने में परीक्षण करता है तो इन्स्पेक्टिंग अथॉरिटी अपने तर्क पर नमूने के आधार पर परीक्षण कर सकता है।”

(एफ) गोलाकार अनुप्रस्थ काट वाले इस्पात के वाल्व चैस्ट के प्रचालन दबाव व न्यूनतम मोटाई निम्नलिखित फार्मूले से निर्धारित किये जायेंगे, अर्थात् :—

4 एफ (टी-सी)

प्रचालन दबाव =

डी-0.8 (टी-सी)

प्र.द. × डी

टी ————— + सी

4एफ + 0.8 प्र.द.

जहां टी = चैस्ट की न्यूनतम मोटाई

डी = चैस्ट का बाह्य व्यास

एफ = ऊपर क्लॉज (डी) के आधार पर निर्धारित की जाने वाली द्रव्य का स्वीकार्य ननाव

सी = यहां नीचे उल्लेखित न्यूनतम घनात्मक गुंजाइश कास्ट इस्पात की चैस्ट के लिए, सी = 5 मि.मी. फोर्ज या स्टेनलेस स्टील चैस्ट के लिए, सी = 2.5 मि.मी.

8. उक्त रैगूलेशन में रैगूलेशन 350 में, टेबल 3 में, इन अक्षरों व अंकों के स्थान पर
- |        |      |      |          |
|--------|------|------|----------|
| टी.एस. | ई टी | ई टी | एस आर    |
| या     | और   | या   | या एस सी |
| 3.5    | 1.6  | 1.6  | 1.6      |

निम्नलिखित अक्षर व अंक प्रतिस्थापित किये जाएंगे, अर्थात्:—

टी.एस.	ई टी	ई टी	एस आर
या	और	या	या एस सी
2.7	1.5	1.5	1.5

9. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 351 में, टेबल 4 में इन अक्षरों व अंकों के स्थान पर
- |        |      |      |          |
|--------|------|------|----------|
| “टी एस | ई टी | ई टी | एस आर    |
| या     | और   | या   | या एस सी |
| 3.5    | 1.6  | 1.6  | 1.6      |

निम्नलिखित अक्षर व अंक प्रतिस्थापित किये जाएंगे, अर्थात्:—

“टी एस	ई टी	ई टी	एस आर
या	और	या	या एस सी
2.7	1.5	1.5	1.5

10. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 361 में, उप रैगूलेशन (सी) के स्थान पर निम्नलिखित उप रैगूलेशन प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

“(सी) रचना किए हुए पाईप के बैंड सीधी पाईप के तिरछे काटें हुए भागों को बैंड करके बनाए जा सकते हैं, बशर्ते कि:—  
 (क) आसन्न काटों के अक्षों के बीच का कोण  $30^\circ$  अधिक नहीं होगा, और  
 (ख) मोटाई कम से कम सीधी पाईप जिस पर बैंड जोड़ा जाएगा, कि न्यूनतम आपेक्षित मोटाई के  $\frac{0.5}{के-1}$  गुना हो।

टिप्पण:—वेट बैंड अधिकतम 21 कि. ग्राम प्रति वर्ग सें. मो. दबाव और अधिकतम तापमान  $260^\circ$  सी. तक प्रयोग किए जाएंगे।

- (डी) गढ़ाई किए हुए बैंड के लिए, अर्द्धव्यास निम्नलिखित से कम नहीं होगा:—

लम्बे अर्द्धव्यास के गढ़े हुए बैंड का अर्द्धव्यास  $= 1.5 \times$  पाईप का व्यास

छोटे अर्द्धव्यास के गढ़े हुए बैंड का अर्द्धव्यास  $= 1.0 \times$  पाईप का व्यास

बैंड के किसी बिन्दु पर मोटाई बैंड की नामिक मोटाई के 87.5 प्रतिशत से कम न होगी। बैंड के किसी भी बिन्दु पर मोटाई ऐसी होगी कि परिष्करण कार्यवाही के उपरान्त समीकरण 91 में आपेक्षित न्यूनतम मोटाई बनी रहे।”

11. उक्त रैगूलेशन की रैगूलेशन 382 में, उप रैगूलेशन (ए) में, प्रविष्टि “बिहार—बी आर” के बाद, निम्नलिखित प्रविष्टि जोड़ी जाएगी, अर्थात्:—

“दमन व दीव—डी यू”

12. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 395 डी और 395 ई के स्थान पर निम्नलिखित रैगूलेशन प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—  
 “395 डी : वाल्व के प्रारंभों का निरीक्षण शुल्क—वाल्फ के अग्रवर्तियों को निरीक्षण शुल्क निम्नलिखित रूप से लगाई जाएगी:—

- (क) उस राज्य में जहां वाल्व के अवयव बनाए जाते हैं; उस राज्य से भिन्न जहां वाल्व को जोड़ा जाता है, वाल्व की निरीक्षण शुल्क का 50 प्रतिशत राज्य के मुख्य निरीक्षक द्वारा वसूल किया जाएगा और निरीक्षण शुल्क का शेष 50 प्रतिशत उस राज्य के मुख्य निरीक्षक द्वारा जहां वाल्व को जोड़ा जाता है वाल्व की असेम्बली के अन्तिम निरीक्षण के लिए वसूल किया जाएगा।
- (ख) जहां तक मेटेरियल परीक्षण का प्रश्न है, निरीक्षण सुप्रसिद्ध फाउन्ड्री या सुप्रसिद्ध फोर्ज द्वारा वसूल किया गया हो, सारी निरीक्षण शुल्क उस राज्य के मुख्य निरीक्षक द्वारा वसूल की जाएगी जहां वाल्वों को जोड़ा गया हो और अन्तिम बार जांचा गया हो।
- (ग) जहां वाल्व के अवयवों का उसी निर्माणशाला में निरीक्षण और परीक्षण किया गया हो जिसमें वाल्व को जोड़ा गया हो और अन्तिम परीक्षण किया गया हो, सारी निरीक्षण शुल्क उस राज्य के मुख्य निरीक्षक द्वारा वसूल की जाएगी जिस राज्य में वह निर्माण शाला स्थापित हो।
- (घ) यदि किसी राज्य में अवयव एक कम्पनी द्वारा बनाए जाते हैं और अन्त में वाल्व की असेम्बली व फिटिंग दूसरी कम्पनी द्वारा बनाई जाती है, दोनों कम्पनियां निरीक्षण शुल्क 50:50 के आधार पर देगी।

395ई: फोड़ वाटर हीटर व अन्य फिटिंगों के लिए निरीक्षण शुल्क—फोड़ वाटर हीटर व अन्य फिटिंगों के लिए निरीक्षण शुल्क निम्नलिखित ढंग से लगाई जाएगी:—

(क) फोड़ वाटर हीटर की निरीक्षण शुल्क बायलर की पंजीकरण शुल्क के बराबर होगी बशर्ते कि वह अधिकतम 5000 रु. होगी ।

(ख) अन्य फिटिंग जैसे डी-सुपरहीटर स्टीम रिसीवर व अलग से उष्मित सुपरहीटर के लिए निरीक्षण शुल्क उस बायलर की पंजीकरण शुल्क से आधी होगी जिससे कि स्टीम पाईप जोड़ी गई हो बशर्ते कि अधिकतम शुल्क 2500 रु. होगी ।

टिप्पण:—ऐसी फिटिंगों के लिए जैसे डी-सुपरहीटर, फोड़ हीटर व अलग से उष्मित सुपरहीटर जो कि ऐसी स्टीम पाईप या फोड़ पाईप जिसे बायलरों के समूह के साथ जोड़ा गया हो, का भाग हो, शुल्क बायलर समूह के किसी भी एक बायलर की पंजीकरण शुल्क से आधी होगी ।

395 एक: मार्किंग

(ए) कार्बन स्टील की ट्यूब या पाईप जिसका बाह्य व्यास 50 मि.मी. से अधिक या लम्बाई 1000 मि.मी. से अधिक हो, निम्नलिखित दशानि के लिए स्पष्ट रूप से अंकित की जाएगी:—

(क) स्टील की किस्म का पहचान चिन्ह,

(ख) निर्माण का मार्क, और

(ग) कि ट्यूब या पाईप जोड़ रहित या विद्युत प्रतिरोध वैल्विंग की हैं ।

(बी) 50 मि.मी. के कम बाह्य व्यास या 1000 मि.मी. से कम लम्बाई वाले कार्बन स्टील पाईप के लिए ऊपर इस रैगुलेशन की क्लाज (ए) में दिखाई गई सूचना बन्डल या पेटो के साथ अच्छे से बंधे हुए टैग पर अंकित की जाएगी ।

(सी) एलाय स्टील की ट्यूब या पाईप के लिए अंकन ट्यूब या पाईप पर अंकित नहीं की जाएगी । इस रैगुलेशन के क्लाज (ए) में मांगी गई सूचना प्लेनऐंड पाईप के ऐंड फेस पर या फ्लैज के रिमों पर या पाईप या ट्यूब के साथ अच्छे से जोड़े हुए पहचान प्लेटों पर अंकित की जाएगी । निरीक्षण या पहचान चिन्ह, एलाय स्टील ट्यूब या पाईप पर पेन्ट से अंकित की जाए बशर्ते कि आयरन ऑक्साईड बेस या टिटानियम बेस के पेन्ट प्रयोग में लाए जायें ।

(डी) विदेशी मानदंडों या संहिताओं के अनुरूप ट्यूब या पाईप जिन्हें बोर्ड ने रैगुलेशन 3(2) के अंतर्गत स्वीकार किया है, मार्किंग उसी मानदंड या संहिता के उपबंधों के अनुरूप होगी

[फाईल सं. 6(12)/90—बॉयलर]

बी. के. गोयल, सचिव, केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड

पाठ टिप्पणी:—मूल विनियम दिनांक 15 सितम्बर 1950 की सां.का.नि. संख्या 600 द्वारा केवल अंग्रेजी में प्रकाशित किए गए थे और अंतिम बार 24 मार्च 1990 के राजपत्र में प्रकाशित सां. का. नि. संख्या 178 व 179 द्वारा संशोधित किया गया ।

**MINISTRY OF INDUSTRY**  
(Department of Industrial Development)  
**CENTRAL BOILERS BOARD**  
New Delhi, the 8th October, 1993

G.S.R. 516.—WHEREAS certain regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950 were published, as required by sub-section (1) of section 31 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923) at pages 424-428 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (i), dated the 13th March, 1993 under the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) (Central Boilers Board) No. G.S.R. 138 dated the 26th February, 1993 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the 1st May, 1993.

AND WHEREAS the said Gazette was made available to the public on the 18th March, 1993;

AND WHEREAS the objections and suggestions received from the public were considered by the Central Boilers Board;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), the Central Boilers Board hereby makes the following regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Indian Boiler (Second Amendment) Regulations, 1993.  
(2) They shall come into force on the date of their publication in Official Gazette.
2. In the Indian Boiler Regulations, 1950 (hereinafter referred to as the said regulations), in regulation 2, for clause (g), the following clause shall be substituted, namely:—  
“(g) “Inspecting Authority” means an authority recognised by the Central Boilers Board in the manner as laid down in regulations 4A to 4H, as competent to grant a certificate in Form II, IIA or IIB.”.
3. In the said regulations, in regulation 4, in sub-regulation (f) in the Note.—  
(i) in the opening portion, after the words “Well-known Tube Makers”, the following shall be inserted namely:—  
“recognised by the Central Boilers Board in the manner as laid down in regulations 4A to 4H”;  
(ii) after the words, “certificate from the Well-known Tube Makers”, the following words shall be added namely:—  
“as aforesaid”.
4. In the said regulations, in regulation 17,—  
(i) for sub-regulation (a), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—  
“(a) Plates—For shell plates, butt straps and plates, gusset plates, end plates, furnace plates and flanging plates one tensile test piece shall be cut from each plate as rolled.”;  
(ii) sub-regulation (b) shall be omitted;  
(iii) sub-regulation (c) shall be renumbered as sub-regulation (b).
5. In the said regulations, in regulation 20, for sub-regulation (a), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—  
“(a) Plates—A bend test shall be taken from each plate as rolled. The bend test from shell plates, butt straps and other plates which have not to be flanged or worked in the fire or which when in use are not to be exposed to flame shall be cold bend test.”.
6. In the said regulations, in regulation 56A, after sub-regulation (x), the following sub-regulation shall be added, namely:—  
“(xi) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (x), the hydraulic test for tubes in makers’ premises shall be dispensed with by the Inspecting Authority provided that the tubes are subject to non-destructive testing by an appropriate method like ultrasonic or/and Eddy current testing”.
7. In the said regulations, in regulation 290, for sub-regulation (e), the following sub-regulations shall be substituted, namely:—  
“(e) the number of valves and fittings which shall be made available to the Inspecting Officer (excluding mechanical tests) shall be as follows:  

Upto and including 51mm	10 percent.
Over 51mm and upto and including 76 mm	15 % of the number of chest.
Over 76mm and upto and including 114 mm	20 % of the number of chests.
Over 114mm	100 percent.

If the Inspecting Authority is satisfied that the manufacturer has adequate facilities for testing and inspection of valves intended for service pressure exceeding 10.5 kg/cm<sup>2</sup> or temperature exceeding 204°C and actually tests each fitting at his works, the Inspecting Authority may, at his discretion, undertake test on a sample basis.”.
- (f) The working pressure and the minimum thickness of the steel valve chest of spherical cross section shall be determined by the following formula, namely:—

$$\text{Working pressure} = \frac{4f (T-C)}{D-0.8 (T-C)}$$

$$T = \frac{WP \times D}{4f + 0.8WP} + C$$

Where  $T$  = the minimum thickness of the chest.

$D$  = the external diameter of the chest.

$f$  = allowable stress for the material to be determined on the basis given in clause (d) above.

$C$  = the minimum positive tolerance as specified hereunder;

For Cast Steel Chest  $C = 5\text{mm}$ .

For Forged or stainless steel chest  $C = 2.5 \text{ mm}$ ."

8. In the said regulations, in regulation 350, in Table 3, for the words, letters and figures,

"T.S. or  $\frac{\text{Et}}{3.5}$  and  $\frac{\text{Et}}{1.6}$  or  $\frac{\text{Sr}}{1.6}$  or  $\frac{\text{Sr}}{1.6}$  or Sc",

the following words, letters and figures, shall be substituted, namely:—

"T.S. or  $\frac{\text{Et}}{2.7}$  and  $\frac{\text{Et}}{1.5}$  or  $\frac{\text{Sr}}{1.5}$  or  $\frac{\text{Sr}}{1.5}$  or Sc".

9. In the said regulations, in regulation 351, in Table 4, for the words, letters and figures,

"T.S. or  $\frac{\text{Et}}{3.5}$  and  $\frac{\text{Et}}{1.6}$  or  $\frac{\text{Sr}}{1.6}$  or  $\frac{\text{Sr}}{1.6}$  or Sc"

the following words, letters and figures, shall be substituted, namely:—

"T.S. or  $\frac{\text{Et}}{2.7}$  and  $\frac{\text{Et}}{1.5}$  or  $\frac{\text{Sr}}{1.5}$  or  $\frac{\text{Sr}}{1.5}$  or Sc".

10. In the said regulations, in regulation 361, for sub-regulation (c), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

"(c) Fabricated pipe bends may be made by Welding together bevelled section of straight pipe, provided:—

(i) the angle between the axis of the adjoining sections does not exceed  $30^\circ$  and

(ii) the thickness is at least :  $\frac{K-0.5}{K-1}$  times the minimum thickness required for the straight pipe to which the bend is joined.

Where,  $K$ —ratio of the radius of the bend (from centre of curvature to centre of pipe) to the inside radius of the pipe.

Note : Gusseted Bends shall be used for pressure not exceeding 21 kilogramme per square centimetre and temperature not exceeding 260 Degree Centigrade.

"(d) For the forged bends, the radii shall be not less than those given below:—

Long radii forged bends  $\rightarrow R = 1.5 \times d$

Short radii forged bends  $\rightarrow R = 1.0 \times d$

The thickness at any point of the bend shall not be less than 87.5% of the nominal thickness of the bend. The thickness at any point of the bend shall be such that the minimum thickness required equation 91 is maintained throughout after finishing operation.

11. In the said regulations, in regulation 382, in sub-regulation (a) after the entry "Bihar.....BR", the following entry shall be inserted, namely:—

"Daman and Diu.....DU".

12. In the said regulations, for regulations 395D and 395E, the following regulations shall be substituted, namely:—

"395D Fees for inspection of components of valves—The fees for inspection of components of valves shall be charged as under:—

(i) 50% of the Inspection fees of the valves shall be charged by the Chief Inspector of the State, where the components of the valves, are manufactured, for inspection of the components manufactured

in a State other than the State where the valves are assembled and remaining 50% of the inspection fees shall be charged by the Chief Inspector of the State, where the valves are assembled, for inspection of assembly and final inspection of the valves.

- (ii) Where the inspection, so far as the material testing is concerned, has been carried out by a "Well-known Foundry" or "Well-known Forge" full inspection fees shall be charged by the Chief Inspector of the State where the valves have been assembled and finally tested.
- (iii) Where the components of the valves are inspected and tested in the same manufacturing work where the valves are assembled and finally tested, full inspection fee shall be charged by the Chief Inspector of the State where the manufacturing works is located.
- (iv) In case, in a State, components are manufactured by one firm and finally fittings and assembly of the valves are made by another, both the firms shall pay inspection fee on 50 : 50 basis".

395E Fees for inspection of feed water heaters and other fittings.—Fees for inspection of feed water heaters and other fittings shall be charged as under:—

- (i) Fees for inspection of feed water heater shall be equal to the registration fee of the boiler subject to a maximum of Rs. 5000/-
- (ii) Fees for inspection of other fittings like desuperheaters, steam receivers and separately fired superheaters shall be charged equal to half the registration fee of the boiler to which the steam pipe or feed pipe, as the case may be is attached subject to a maximum of Rs. 2500/-".

Note: In case of fittings, like do-super heaters, feed heaters and separately fired super heaters, which are parts of the steam pipes or feed pipes attached to a battery of the boilers, the fees shall be charged equal to half the registration fee of any one of the boiler of the battery of the boilers".

395F—Marking.—

- (a) Carbon steel tubes or pipes which are both over 50mm. outside diameter or over 1000 mm. in length shall be marked legibly to show—
  - (i) The identification symbol for the type of the steel;
  - (ii) The brand of the manufacture; and
  - (iii) Whether seamless or electric resistance welded tubes or pipes.
- (b) In the case of Carbon steel tubes or pipes less than 50mm. outside diameter or less than 1000 mm. in length the information specified in clause (a) of this regulation shall be marked on a tag securely attached to the bundle or box.
- (c) For alloy steel tubes or pipes marking shall not be stamped on the body of the tubes or pipes. The information specified in sub-regulation (a) of this regulation shall be stamped on the end face of plain end pipes or on the rims of flanges or on identification plates suitably attached to the pipes or tubes. Inspection or identification marks may be painted on the alloy steel tubes or pipes provided iron oxide base or titanium base paints are used.
- (d) Tubes or pipes conforming to a foreign standard or code, which have been accepted by the Board under regulation 3(2), marking shall be stamped in accordance with the provision of that standard or code, as the case may be."

[File No. 6(12)/90-Boilers]

V. K. GOEL, Secy., Central Boiler Board

Footnote:- The Principal regulations were published as S.R.O. No. 600 dated 15th September, 1950 and last amended vide G.S.R. Nos. 178 and 179 published in the Gazette of India Part-II, Section 3(i) dated 24th March, 1990 and Notification No. 6(10)/90-Boilers dated 20th September, 1993 (under print in the Gazette).

## इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1993

सा. का. नि. 517.—इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की परिनियमावली के परिनियम 26 के खंड (1) के उपबंधों के अंतर्गत प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का प्रबंध बोर्ड इं. गां. रा. मु. वि. अधिनियम के परिनियम (6) के खंड (2) के उपबंधों के अंतर्गत/वित्त अधिकारी की परिकल्पित, सेवा शर्तों के संबंध में निम्नलिखित अध्यादेश बनाता है :

वित्त अधिकारी की परिकल्पित सेवा शर्तों के संबंध में अध्यादेश

[परिनियम 6 के खंड (2) के अधीन]

1. वित्त अधिकारी को रु. 4500-150-5700-200-7300 के वेतनमान में अथवा ऐसे ही अन्य वेतनमान पर जैसा की प्रबंध बोर्ड समय-समय पर निर्धारित करेगा, नियुक्त किया जाएगा। वह उपर्युक्त वेतनमान के प्रतिरिक्त विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की समय-समय पर स्वीकार्य ऐसे अन्य भत्तों के भी पात्र होंगे।

परन्तु प्रबंध बोर्ड प्रतिनियुक्ति पर अधिकारी नियुक्त कर सकता है जिसमें वह भारत सरकार की प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों द्वारा नियंत्रित होगा।

2. अधिनियम और परिनियमों के उपबंधों के अध्याधीन वित्त अधिकारी को 5 वर्षों की अवधियों के लिए, नियुक्ति का मवीकरण कर सकता है।

3. वित्त अधिकारी के पद के लिए अर्हताएं प्रबंध बोर्ड द्वारा समय-समय पर यथानिर्धारित होंगी।

परन्तु यदि किसी व्यक्ति को प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया जाता है तो ऐसे व्यक्ति भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा या उम्मी प्रकार की सेवा का अधिकारी हो और उसकी कम से कम 15 वर्ष की सेवा हो।

4. विश्वविद्यालय उसे अमर्जित रिहायशी आवास प्रदान करेगा जिसके लिए वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दरों पर किराया/अनुज्ञा शुल्क का भुगतान करेगा। परन्तु यदि उसे सज्जित मकान दिया जाता है तो वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दरों पर उस फर्नीचर के किराया का भुगतान करेगा।

5. कार्यकाल के दौरान वित्त अधिकारी विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को समय-समय पर यथा स्वीकार्य छुट्टियों के लिए पात्र होगा।

परन्तु यदि विश्वविद्यालय या कालेज या किसी विश्वविद्यालय या ऐसे ही किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित या उससे संबद्ध या राज्य सरकार अथवा भारत सरकार द्वारा अनुसूचित या उससे संबद्ध संस्था का कोई कर्मचारी वित्त अधिकारी नियुक्त होता है तो वह पद पर पुनर्गठनाधिकार होने तक उन छुट्टी नियमों द्वारा नियंत्रित होता रहेगा जिनके लिए वह वित्त अधिकारी की नियुक्ति से पूर्व पात्र था।

6. वित्त अधिकारी यात्रा भत्ते, छुट्टी यात्रा रियायत और चिकित्सा परीक्षार्थी नियमों का पात्र होगा जो विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को समय-समय पर देय होते हैं।

7. वित्त अधिकारी ऐसी सेवांत सुविधाओं का पात्र होगा जो समय-समय पर प्रबंध द्वारा निर्धारित की जाती हों।

8. वित्त अधिकारी अपने कार्यकाल की समाप्ति तक अंगदायी भविष्य निधि में अभिदान करने का पात्र होगा।

परन्तु यदि विश्वविद्यालय या कालेज या किसी विश्वविद्यालय या ऐसे ही किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित या उससे संबद्ध या राज्य सरकार अथवा भारत सरकार द्वारा अनुसूचित या उससे संबद्ध संस्था का कोई कर्मचारी वित्त अधिकारी नियुक्त होता है तो उन्हें सेवानिवृत्ति लाभ योजना

द्वारा नियंत्रित होगा जिनके लिए वह वित्त अधिकारी अपनी नियुक्ति होने से पूर्व पात्र थे अथवा अपने पद पर पुनर्गठनाधिकार बने रहने तक पात्र थे परन्तु इन उपबंधों के अंतर्गत सामान्य भविष्य निधि एवं विश्वविद्यालय अंगदायी भविष्य निधि के अभिदान के प्रयोजनार्थ वेतन वित्त अधिकारी के रूप में उनके द्वारा लिया गया वेतन होगा।

[सं. आई जी/प्रशा. (जी) /भाई/92]

क. नारायणन्, कुलसचिव

## INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY

New Delhi, the 1st October, 1993

G.S.R. 517.—In exercise of the powers conferred on it under the provisions of Clause (1) of Statute 26 of the Statutes of the IGNOU, the Board of Management of the Indira Gandhi National Open University makes the following ordinance on Emoluments, Terms and Conditions of Service of Finance Officer under Clause (2) of Statute (6) of the IGNOU Act :

## Ordinance

On Emoluments, Terms and Conditions of Service of Finance Officer

[under clause (2) of Statute (6)]

1. The Finance Officer shall be appointed on a scale of pay of Rs. 4500-150-5700-200-7300, or on such other scale of pay as may be determined by the Board of Management from time to time. He shall, in addition to the pay in the scale mentioned above, be entitled to such other allowance as are admissible to the employees of the University from time to time.

Provided that the Board of Management may appoint an officer drawn on deputation, in which case he shall be governed by the usual terms of deputation of Government of India.

2. Subject to the provisions of the Act and Statutes, the Finance Officer shall be appointed for a term of 5 years; provided that the Board of Management may renew the appointment for further terms of 5 years each.

3. The qualifications for the post of Finance Officer shall be as prescribed by the Board of Management from time to time.

Provided that if a person is appointed to the post of Finance Officer on deputation, such person shall be in the rank of an officer of IA and AS Cadre or similar other services with at least 15 years of service to his credit.

4. The University shall provide him with unfurnished residential accommodation for which he will pay rent/licence fee at the rates fixed by the University.

Provided that if he is provided with a house which is furnished, he shall pay rent for such furniture at the rates fixed by the University.

5. The Finance Officer, during the tenure, shall be entitled to leave, as admissible to the employees of the University from time to time. Provided that when an employee of the University or a College affiliated to it or of any other University or institution maintained by or affiliated to such other University or of a State Government or Government of India is appointed as a Finance Officer he shall continue to be governed by the same leave Rules to which he was entitled prior to his appointment as Finance Officer till he continues to hold his lien on the post.

6. The Finance Officer shall be entitled to Travelling Allowance, Leave Travel Concession and Medical attendance rules as are admissible to the employees of the University from time to time.

7. The Finance Officer shall be entitled to such terminal benefits as may be fixed by the Board of Management from time to time.

8. The Finance Officer shall be entitled to subscribe to the contributory provident fund of the University till the end of his tenure.

Provided that where an employee of the University or a College or of any University or Institution maintained by or affiliated to such other University or of a State Government or the Government of India, is appointed as Finance Officer he shall continue to be governed by the same retirement benefit scheme to which he was entitled prior to his appointment as Finance Officer or till he continues to hold his lien on that post, but under this provision, the pay for the purpose of subscription to the General Provident Fund and subscription to the University Contributory Provident Fund shall be the pay drawn by him as Finance Officer.

[No. IG/ADMN (G)/ORD/92]

K. NARAYANAN, Registrar

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1993

सा. का. नि. 518.—इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की परिनियमावली के परिनियम 26 के खंड (1) के उपबंधों के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, डॉ. रा. म. वि. का प्रबंध बोर्ड डॉ. रा. म. वि. परिनियमावली के परिनियम 12(4) के अंतर्गत चयन समिति प्रक्रिया संबंधी निम्नलिखित अध्यादेश बनाता है।

चयन समिति प्रक्रिया संबंधी अध्यादेश

[डॉ. रा. म. वि. परिनियमावली का परिनियम 12(4)]

1. कुलपति महोदय चयन समिति की बैठक की तारीख और स्थान नियत करेंगे।

2. सत्रियों की बैठक की सूचना 15 दिन पहले दी जाएगी।

3. परिनियम 12 में उल्लिखित किसी पद के लिए प्राप्त आवेदनों की छानबीन कुलपति द्वारा इस प्रयोजनार्थ नियुक्त समिति द्वारा की जाएगी। छानबीन समिति निर्धारित भर्ताओं एवं अनुभव और उपलब्ध पदों को ध्यान में रखते हुए आवेदनों को शॉर्टलिस्ट कर सकती है।

4. चयन समिति को भेजे गए अभ्यर्थियों की सूची में से ही प्रबंध बोर्ड द्वारा विचार करने के लिए चयन समिति उन अभ्यर्थियों की सिफारिश करेगी जो नियुक्ति के उपयुक्त पाए जाएंगे जिनके लिए समिति नियुक्त की गई थी।

5. चयन समिति का निर्णय सर्वसम्मति से होगा। जहां आवश्यक हुआ, मामले का निर्णय बहुमत से होगा। अतिरिक्त की स्थिति में बैठक में उपस्थित अध्यक्ष को निर्णायक मत देने का अधिकार होगा।

6. इन अध्यादेशों में जो मामले उल्लिखित नहीं हैं, उनके संबंध में कुलपति को प्रक्रियाओं को निर्धारित करने का अधिकार होगा।

7. चयन समिति लेक्चरर के पदों के लिए अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों का अलग से साक्षात्कार लेगी और अन्य अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेने से पहले अपनी सिफारिशें करेगी।

8. चयन समिति उन कारणों के लिए कम से कम रीडर के पद के लिए अभ्यर्थी के पाठ्यक्रम विवरण पर, अनुपस्थिति में विचार कर सकती है और प्रबंध बोर्ड के विचारार्थ सिफारिश कर सकती है।

9. प्रत्येक चयन समिति अपने समक्ष प्रस्तुत अभ्यर्थियों के मूल्यांकन की पद्धति के संबंध में अपनी प्रक्रिया अपनाने में सक्षम होगी।

10. चयन समिति लिखित में उन कारणों के लिए किसी भी अभ्यर्थी को नियमों के अनुसार सामान्यतया स्वीकार्य वेतन की अपेक्षा आरंभ में उच्च वेतन की सिफारिश कर सकती है और प्रबंध बोर्ड वेतन निर्धारण के संबंध में इस प्रकार की सिफारिशों पर विचार कर सकता है।

11. चयन समिति योग्यता कम से कम ग्रे अभ्यर्थियों की सूची तैयार करेगी।

12. चयन समिति द्वारा सिफारिश की गई सूचियां प्रबंध बोर्ड द्वारा उनकी स्वीकृति की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए वैध होंगी। परंतु प्रबंध बोर्ड उन कारणों के लिए एक ओर वर्ष तक सूची की वैधता बढ़ा सकता है।

[सं. आई जी/प्रशा. (जी)/प्रशि./9/92]

क. नारायणन्, कुलपति

New Delhi, the 1st October, 1993

G.S.R. 518.—In exercise of the powers conferred on it under the provisions of Clause (1) of Statute 26 of the Statutes of the IGNOU, the Board of Management of the Indira Gandhi National Open University makes the following Ordinances on Selection Committee Procedures under Statute 12(4) of the Statute of the IGNOU.

### ORDINANCE ON SELECTION COMMITTEE PROCEDURES

[Statute 12(4) of the Statutes of IGNOU]

1. The Vice-Chancellor shall fix the date and venue of the meeting of the Selection Committee.

2. A fortnight's notice of a meeting shall be given to the members.

3. The applications received for any of the posts mentioned in Statute 12, may, where necessary, be screened by a Committee appointed for the purpose by the Vice-Chancellor. The Screening Committee may short list the applications taking into account the qualifications and experience prescribed and available posts.

4. The Selection Committee shall recommend candidates from among those referred to it, who are found suitable for appointment to the posts for which the Committee was constituted, for consideration by the Board of Management.

5. The decision of a Selection Committee shall be by consensus. Where necessary, the matter will be decided by a majority vote. In case there is a tie, the Chairman at the meeting shall exercise a casting vote.

6. The Vice-Chancellor shall have the power to lay down procedures in respect of matters not specified in these Ordinances.

7. The Selection Committee shall interview the candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes for the posts of Lecturers separately and makes its recommendations before other candidates are interviewed.

8. The Selection Committee may, for reasons to be recorded consider the curriculum vitae of a candidate for a post not below the rank of a Reader in absentia, and make recommendations for consideration of the Board of Management.

9. Every Selection Committee shall be competent to adopt its own procedure regarding the mode of assessment of the candidates presented before it.

10. The Selection Committee may, for reasons to be recorded in writing, recommend a higher start in pay to a candidate than what is normally admissible according to rules and the Board of Management may consider such recommendations on pay fixation.

11. The Selection Committee shall draw up a panel of selected candidates in order of merit.

12. The panels recommended by a Selection Committee shall be valid for a period of one year from the date of their



approval by the Board of Management. Provided that the Board of Management may, for reasons to be recorded, extend the validity of the panel by one more year.

[No. IG/ADMN (G)/Ord/9/92]

K. NARAYANAN, Registrar

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1993

सा.का.नि. 519—इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की परिनियमावली के परिनियम 26 के खंड (i) के उपबंधों के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इ.गा.रा.मु.वि. का प्रबंध बोर्ड परिनियम 5 के खंड 2 के अधीन कुलसचिवों की परिलब्धियों सेवा शर्तों के संबंध में निम्नलिखित अध्यादेश बनाता है :

कुलसचिवों की परिलब्धियों, सेवा संबंधी अध्यादेश

[परिनियम 5 के खंड (2) के अंतर्गत]

1. प्रत्येक कुलसचिव की नियुक्ति रु. 4500-150-5700-200-7300 के वेतनमान में ली जाएगी अथवा समय-समय पर ऐसे ही वेतनमान पर प्रबंध बोर्ड द्वारा निर्धारित की जा सकती है। वह उपर्युक्त वेतनमान के अतिरिक्त उन अन्य भत्तों के पात्र भी होंगे जो विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को समय-समय पर स्वीकार्य होते हैं।

2. अधिनियम और परिनियमों के उपबंधों के अधीन प्रत्येक कुलसचिव को 5 वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किया जाएगा, बशर्ते कि प्रबंध बोर्ड और प्रत्येक 5 वर्ष की और अवधि के लिए नियुक्ति का नवीकरण किया जा सकता है।

3. कुलपति के पद के लिए अर्हताएं समय-समय पर बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाएंगी।

4. विश्वविद्यालय प्रत्येक कुलसचिव को असज्जित रिहायशी आवास प्रदान करेगा जिसके लिए वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दरों पर किराया/अनुज्ञा शुल्क का भुगतान करेगा।

परंतु यदि कुलसचिवों को सज्जित मकान दिया जाता है तो वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दरों पर फर्नीचर के किराए का भुगतान करेंगे।

5. अपने कार्यकाल के दौरान प्रत्येक कुलसचिव विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को समय-समय पर यथा स्वीकार्य छुट्टियों के लिए पात्र होगा।

परंतु यदि विश्वविद्यालय का कालेज किसी विश्वविद्यालय या ऐसे ही किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित या उससे संबद्ध या राज्य सरकार अथवा भारत सरकार द्वारा अनुरक्षित या उससे संबद्ध संस्था का कोई कर्मचारी कुलपति नियुक्त होता है तो वह पद पर पुनर्गठनाधिकार होने तक उन छुट्टी नियमों द्वारा नियंत्रित होता रहेगा जिनके लिए वह कुलसचिव की नियुक्ति से पूर्व पात्र था।

6. प्रत्येक कुलसचिव यात्रा भत्ते छुट्टी यात्रा रियायत आर चिकित्सा परिचर्या नियमों का पात्र होगा जो विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को समय-समय पर देय होते हैं।

7. प्रत्येक कुलसचिव ऐसी सेवांत सुविधाओं का पात्र होगा जो समय-समय पर प्रबंध बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाती ह।

8. प्रत्येक कुलसचिव अपने कार्यकाल की समाप्ति तक अंशदायी भविष्य निधि में अभिदान करने का पात्र होगा।

परंतु यदि विश्वविद्यालय या कालेज या किसी विश्वविद्यालय या ऐसे ही किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित या उससे संबद्ध या राज्य सरकार अथवा भारत सरकार द्वारा अनुरक्षित या उस से संबद्ध संस्था का कोई कर्मचारी कुलसचिव नियुक्त होता है तो उन्हीं सेवा निवृत्ति लाभ योजना द्वारा नियंत्रित होगा जिनके लिए वह कुलसचिव की अपनी नियुक्ति होने से पूर्व पात्र थे अथवा पुनर्गठनाधिकार पर अपने पद पर बने रहने तक पात्र थे परंतु इस उपबंध के अंतर्गत सामान्य भविष्य निधि एवं विश्व-

विद्यालय अंशदायी भविष्य निधि को अभिदान के प्रयोजनार्थ वेतन कुलसचिव के रूप में उनके द्वारा लिया गया वेतन होगा।

[सं. आई.जी./प्रशा. (जी)/अर्डि. 9/92]

क. नारायणन कुल सचिव

New Delhi, the 1st October, 1993

G.S.R. 519.—In exercise of powers conferred on it under the provisions of Clause (1) of Statute 26 of the Statutes of the IGNOU, the Board of Management of the Indira Gandhi National Open University makes the following ordinances on Emoluments, Terms and Conditions of Service of Registrars under Clause (2) of Statute 5.

Ordinance

On Emoluments, Terms and Conditions of Service of Registrars

[under clause (2) of Statute 5]

1. Every Registrar shall be appointed on a scale of pay of Rs. 4500-150-5700-200-7300, or on such other scale of pay it may be determined by the Board of Management, from time to time. He shall, in addition to the pay in the scale mentioned above, be entitled to such other allowances as are admissible to the employees of the University from time to time.

2. Subject to the provisions of the Act and Statutes, every Registrar shall be appointed for a term of 5 years; provided that the Board of Management may renew the appointment for further terms of 5 years each.

3. The qualifications for the post of Registrar shall be as prescribed by the Board of Management from time to time.

4. The University shall provide every Registrar with unfurnished residential accommodation for which he will pay rent/licence fee at the rates fixed by the University.

Provided that if a Registrar is provided with a house which is furnished, he shall pay rent for such furniture at the rates fixed by the University.

5. Every Registrar, during his tenure, shall be entitled to leave, as admissible to the employees of the University from time to time. Provided that when an employee of the University or a College affiliated to it or of any other University or institution maintained by or affiliated to such other University, is appointed as a Registrar he shall continue to be governed by the same leave Rules to which he was entitled prior to his appointment as Registrar till he continues to hold his lien on the post.

6. Every Registrar shall be entitled to Travelling Allowance, Leave Travel Concession and Medical Attendance Rules as are admissible to the employees of the University from time to time.

7. Every Registrar shall be entitled to such terminal benefits as may be fixed by the Board of Management from time to time.

8. Every Registrar shall be entitled to subscribe to the contributory provident fund of the University till the end of his tenure ;

Provided that where an employee of the University or a college of any University or Institution maintained by or affiliated to such other University is appointed as Registrar, he shall continue to be governed by the same retirement benefit scheme to which he was entitled prior to his appointment as Registrar or till he continues to hold his lien on that post, but under this provision, the pay for the purpose of subscription to the General Provident Fund and subscription to the University Contributory Provident Fund shall be the pay drawn by him as Registrar.

[No. IG/ADMN (G)/ORD/9/92]

K. NARAYANAN, Registrar

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 19

New Delhi, the 1st October, 1993

सा. का. नि. 520.—इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की परिनियमावली के परिनियम 26 के खंड (i) के उपबंधों के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इं. गां. रा. मु. वि. का प्रबंध बोर्ड इं. गां. रा. मु. वि. अधिनियम की धारा 26 (i) (क) के अधीन विभिन्न उपाधि डिप्लोमा और प्रमाणपत्र कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों के प्रवेश, पात्रता, अवधि एवं संरचना संबंधी निम्नलिखित अध्यादेश बनाता है :

विभिन्न उपाधि डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों के प्रवेश, पात्रता, अवधि एवं संरचना संबंधी अध्यादेश

[अधिनियम की धारा 26 (i) (क) के अंतर्गत]

#### 1. प्रवेश

- (1) विश्वविद्यालय द्वारा चलाए गए शैक्षिक कार्यक्रमों/पाठ्यक्रमों में प्रवेश उन सभी विद्यार्थियों के लिए खुला होगा जो प्रत्येक ऐसे कार्यक्रम/पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित पात्रता की शर्तें पूरी करते हैं।
- (2) पूर्ण शैक्षिक, अर्हताओं, आयु और ऐसी अन्य अपेक्षाओं के संबंध में पात्रता की शर्तें प्रत्येक शैक्षिक कार्यक्रम या पाठ्यक्रम के लिए शैक्षिक परिषद् द्वारा निर्धारित की जाएंगी और विश्वविद्यालय इन अपेक्षाओं को पूरा करने के अध्वक्षीन इन कार्यक्रमों/पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रदान करेगा।
- (3) ऐसी प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय स्वतंत्र होगा जो यह विशिष्ट शैक्षिक कार्यक्रमों/पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए समय-समय पर आयोजित करे।
- (4) विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों/पाठ्यक्रमों में 15% स्थान अनुसूचित जातियों और 7-1/2% स्थान अनुसूचित जनजातियों के विद्यार्थियों के लिए आरक्षित होंगे। परन्तु विश्वविद्यालय शारीरिक रूप से विकलांग एवं इसी प्रकार के अन्य सुविधावंचित समूहों के शिष्यार्थियों के प्रवेश के लिए शैक्षिक परिषद् की सिफारिश पर समय-समय पर उपबंध कर सकता है।

#### 2. कार्यक्रमों एवं पाठ्यक्रमों की अवधि

- (1) विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों/पाठ्यक्रमों, डिप्लोमे और प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे कि न्यूनतम और अधिकतम अवधि प्रत्येक ऐसे कार्यक्रम के लिए शैक्षिक परिषद् की सिफारिशों पर निर्धारित की जाएगी। शैक्षिक परिषद् इसी प्रकार की अन्य शर्तें निर्धारित कर सकता है जिन्हें विद्यार्थियों को उपाधियां, डिप्लोमे और प्रमाणपत्र प्रदान करने हेतु पात्र होने के लिए पूरी करनी पड़ेगी।
- (2) विश्वविद्यालय द्वारा चलाए गए पाठ्यक्रमों की न्यूनतम और अधिकतम अवधि शैक्षिक परिषद् द्वारा निर्धारित की जाएगी।

#### 3. कार्यक्रमों की संरचना एवं ढांचा

विश्वविद्यालय शैक्षिक परिषद् की सिफारिशों पर विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे उपाधि, डिप्लोमों और प्रमाणपत्र कार्यक्रमों की संरचना और ढांचा निर्धारित कर सकता है। परन्तु विश्वविद्यालय अपने सभी कार्यक्रम माध्यम संरचना, पाठ्यक्रम समूह में लचीलेपन और शिक्षा पद्धतियों और गति और विभिन्न कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रमवार पंजीकरण आदि के आधार पर आयोजित करने का प्रयास करेगा।

[सं. आई. जी. /प्रशा. (जी) आर्डि/92]

क. नारायणन, कुल सचिव

G.S.R. 520.—In exercise of the powers conferred on it under the provisions of Clause (1) of Statute 26 of the statutes of the IGNOU, the Board of Management of the Indira Gandhi National Open University makes the following ordinance on Admission, Eligibility, Duration and Structure of Various Degree, Diploma and Certificate programmes and Courses under Section 26(1) (a) of the IGNOU Act :

#### Ordinance on

Admission, eligibility, duration and structure of various degree; diploma and certificate programmes and courses.

[Under Section 26(1)(a) of the Act]

#### 1. Admission

- (1) Admission to academic programmes/courses offered by the University shall be open to all who fulfil the conditions of eligibility prescribed for each such programme/course.
- (2) The conditions of eligibility with respect to prior educational qualifications, age and such other requirements shall be prescribed by the Academic Council for each academic programme or course and the University shall make admission to these programmes/courses subject to fulfilment of these requirements.
- (3) It shall be open to the University conduct such entrance tests as it may prescribe from time to time for admission to specific academic programmes/courses.
- (4) 15% of the seats in the academic programmes/courses offered by the University shall be reserved for students belonging to Scheduled Caste and 7-1-2% for students belonging to Scheduled Tribes. Provided that the University may also make such special provision for the admission of candidates belonging to the physically handicapped and such other disadvantaged groups on the recommendations of the Academic Council from time to time.

#### 2. Duration of programmes and courses

- (1) The minimum and maximum duration for the academic programmes offered by the University leading to the award of degrees, diplomas and certificates shall be prescribed for each such programme on the recommendations of the Academic council. The Academic Council may also prescribe such other conditions as the students have to fulfil to become eligible for the award of degrees, diplomas and certificates.
- (2) The minimum and maximum duration for the courses offered by the University shall be prescribed by the Academic Council.

#### 3. Structure and pattern of programmes

The University may, on the recommendations of the Academic Council, prescribe the structure and pattern of the programmes offered by it leading to the award of degree, diploma and certificate. Provided that the University shall endeavour to organise all its programmes on the basis of modular structure, flexibility in the combination of courses as well as methods and pace of learning, course-wise registration for various programmes, etc.

[No. IG/ADMN (G)/ORD/92]

K. NARAYANAN, Registrar

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1993

सा.का.नि. 521.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और जवाहरलाल स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी (वर्ग III पद) भर्ती नियम, 1968 (सा.का.नि. 1996) तारीख 16 नवम्बर, 1968 को, जहाँ तक उसका संबंध क्रम संख्यांक 2 पर उल्लिखित (तकनीकी सहायक पशु गृह) से है, उन बातों के सिवाय अधिकृत करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिकरण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, जवाहरलाल स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में तकनीकी सहायक (पशु गृह) के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम आर प्रारंभ : (1) उन नियमों का संक्षिप्त नाम जवाहरलाल स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी तकनीकी सहायक (पशु गृह) समूह "ग" भर्ती नियम, 1993 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपाखंड अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं आदि : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता : वह व्यक्ति

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण, आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना प्रपेक्षित है।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा चयन पद	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा
1	2	3	4	5	6	7
तकनीकी सहायक (पशु गृह)	1 (एक) * (1993)	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अराज्यपक्षित अन्तुसंचित	1400-40-1800- लागू नहीं होता द.रो.-50-2300र.	लागू नहीं होता	नहीं	21 से 30 वर्ष
	*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन जा सकता है।				(केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनु-देशों या आदेशों के अनुसार साधारण प्रवर्ग के सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 40 वर्ष तक तथा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए 45 वर्ष तक की जा सकती है।	

टिप्पण : 1. आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक अंतिम तारीख भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी (न कि वह अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्पा जिले के पांगी उपखंड, जंझमा और त्रिकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिए विहित की गई है)।

टिप्पण : 2. रोजगार कार्यालयों के माध्यम से की जाने वाली भर्ती की दशा में आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है।

भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु परीक्षा की अवधि यदि और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू कोई हो होंगी या नहीं

8

9

10

आवश्यक :

लागू नहीं होता

दो वर्ष

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या संस्था से प्राणीविज्ञान के साथ बीएससी डिग्री और पशुधन निरीक्षण में डिप्लोमा।

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बीएससी (आयुर्विज्ञान प्रयोगशाला प्रायोगिकी) में डिग्री

वांछनीय : पशु प्रजनन और प्रयोगशाला के रखरखाव में अनुभव।

टिप्पण 1 : अर्हताएं अन्यथा सुग्रहित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग/सक्षम प्राधिकारी/कर्मचारी चयन आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।

टिप्पण 2 : अनुभव संबंधी (अर्हताएं) संघ लोक सेवा आयोग/सक्षम प्राधिकारी/कर्मचारी चयन आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग/सक्षम प्राधिकारी/कर्मचारी चयन आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

11

12

सीधी भर्ती द्वारा

लागू नहीं होता

टिप्पण : पदधारी के प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण पर या लम्बी बीमारी या अध्ययन छुट्टी या किन्हीं अन्य परिस्थितियों में एक वर्ष या उससे अधिक अवधि के लिए बाहर रहने के कारण हुई रिक्तियां प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण के आधार पर सरकार के ऐसे अधिकारियों में से भरी जा सकेंगी।

(क) (i) जो नियमित आधार पर सट्टण पद धारण किए हुए हैं; या

(ii) जिन्होंने 1200-2040 रु. या समतुल्य बेटनमान वाले पदों पर पांच वर्ष नियमित सेवा की है; और

(ख) जिनके पास स्तम्भ 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित अर्हताएं और अनुभव हैं।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

14

विभागीय प्रोन्नति समिति

लागू नहीं होता

पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए

- |    |                      |          |
|----|----------------------|----------|
| 1. | संकायाध्यक्ष         | —अध्यक्ष |
| 2. | पशु गृह विभागाध्यक्ष | —सदस्य   |
| 3. | उपनिदेशक, प्रशासन    | —सदस्य   |
| 4. | प्रशासनिक अधिकारी    | —सदस्य   |

[फा. सं. 11018/25/92-प्रार. प्रार.]

प्रार. एल. मल्होत्रा, डेप्ट. अधिकारी

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 27th September, 1993

G.S.R. 521.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research, Pondicherry (Class III Posts) Recruitment Rules 1968, (GSR 1996 dated the 16th November, 1968), in so far as they relate to the post mentioned at serial No. 2 (Technical Assistant for Animal House) except as respects things done or omitted to be done before such supersession the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Technical Assistant (Animal House), in the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research, Pondicherry, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research, Pondicherry Technical Assistant (Animal House), Group 'C' Recruitment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Scheduled annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualification etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other

matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualifications—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reason to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Caste, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of Post	Number of post	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post
1	2	3	4	5
Technical Assistant (Animal House)	1 (one)* (1993) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 1400-40-1800-EB-50-2300/-	Not applicable.
Whether benefit of added years of services admissible under rule 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972	Age limit of direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits		
6	7	8		
No	21 to 30 years (Relaxable for Government servants upto 40 years, for general category and upto 45 years for Scheduled Caste and Scheduled Tribes in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note 1 : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti district and Pangi Sub Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman & Nicobar Islands or Lakshadweep). Note 2 : In the case of recruitment made through the Employment Exchange, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange is asked to submit the names.	Essential: Degree in Bachelor of Science with Zoology and Diploma in Live Stock Inspection from a recognised University or Institution. OR Degree in Bachelor of Science (Medical Laboratory Technology from a recognised University). Desirable: Experience in breeding and maintenance of Laboratory animals. Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Staff Selection Commission/Competent Authority in case of candidates otherwise well qualified. Note 2 : The Qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Staff Selection Commission/competent authority in the case of candidates belonging to Scheduled Caste and Scheduled Tribes if, at any stage of selection of Staff Selection Commission competent authority is of the opinion that sufficient number of candidates from those communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.		

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentages of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion /deputation/transfer, grade from which promotion/deputation/transfer to be made
9	10	11	12
Not applicable	Two years	By direct recruitment. Note : Vacancies caused by the incumbent being away on transfer on deputation or long illness or study leave or under other circumstances for a duration of one year or more may be filled on transfer on deputation basis from officers of Central Government. (a) (i) holding analogous posts on regular basis; or (ii) with five years regular service in posts in the scale of Rs. 1200-2040 or equivalent; and (b) Possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 8.	Not applicable
If a DPC exists what is its composition		Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
13		14	
Departmental Promotion Committee considering confirmation 1. Dean of the Institute—Chairman 2. Head of the Department of Animal House—Member. 3. Deputy Director Administration—Member 4. Administrative Officer—Member		Not applicable	

[File No A. 11018/25/92-RR]

R.L. MALHOTRA, Desk Officer

## पुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1993

सा. का. नि. 522:—इस मंत्रालय की दिनांक 27-2-93 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 121 में, जो जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में विकिरणविज्ञान (चिकित्सा भौतिकी) (गैर-चिकित्सा) में लेक्चरर के पद पर भर्ती नियमों के संशोधन से संबंधित है, के स्पष्टीकारक जापन के अन्त में निम्नलिखित पैरा अनजाने में छूट गया है:—

“यह प्रमाणित किया जाता है कि इसका ऐसे कर्मचारी पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा जिस पर ये नियम लागू होने हैं।”

उपर्युक्त पैरा को स्पष्टीकारक जापन और पाद टिप्पणी के अंत में अन्तः स्थापित किया जाए।

[सं० ए- 12018/3/83-एम (एफ एंड एस)/एम. ई./एम ई (पी. जी. )]

आर. एल. मलहोत्रा, डेस्क अधिकारी

## CORRIGENDUM

New Delhi, the 1st October, 1993

G.S.R. 522.—In this Ministry's Notification No. GSR 121, dated 27-2-93 regarding amendment to recruitment rules for the post of Lecturer in Radiology (Medical Physics) (Non-Medical) at JIPMER, Pondicherry, the following para at the end of Explanatory Memorandum has been left out inadvertently :

“It is certified that this will not affect adversely any employee to whom these rules apply.”

The above mentioned para may be inserted at the end of Explanatory Memorandum and the FOOT NOTE.

[No. A. 12018/3/83-M(F&amp;S)/ME/ME(PG)]

R. L. MALHOTRA, Desk Officer

## कृषि मन्त्रालय

## (पशु पालन और डेरी विभाग)

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1993

सा. का. नि. 523.---राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कृषि मन्त्रालय, दिल्ली दुग्ध योजना में सहायक इंजीनियर (इलेक्ट्रॉनिक) के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:---

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:---(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सहायक इंजीनियर (इलेक्ट्रॉनिक), दिल्ली दुग्ध योजना भर्ती नियम, 1993 है।  
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:---उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा, जो इन नियमों से उपावद्ध अनुसूची के स्तंभ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।
3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि:---उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तंभ 5 से स्तंभ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।
4. निरर्हता:---वह व्यक्ति:  
(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या  
(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,  
उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति:---जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति:---इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

## चतुसुची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं।
-----------	----------------	----------	---------	---------------------	---	---

1	2	3	4	5	6	7
सहायक इंजीनियर (इलेक्ट्रॉनिक)	1* (1993)	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ख" राजपत्रित अनुसूचिवीय	2000-60-2300- द.रो.-75-3200-100- 3500 रुपए	लागू नहीं होता	30 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।	नहीं
		*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।			टिप्पणी:---आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी (न कि वह	

अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, मिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपखंड, अंदमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिए विहित की गई है ) ।

भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परीक्षा की अवधि, यदि कोई हो विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं

8

9

10

आवश्यक :

लागू नहीं होता

दो वर्ष ।

(1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरी में डिग्री या समतुल्य ।

(2) इलेक्ट्रॉनिक उपस्कर/सर्किट के प्रचालन/मुद्रित सर्किट बोर्ड के स्तर के अनुसरण में दो वर्ष का अनुभव ।

टिप्पण 1:—अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है ।

टिप्पण 2:—अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग को यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है ।

वांछनीय :—फार्म फिल सील पोली पैक मशीन की टाइप के इलेक्ट्रॉनिक सर्किट में अनुभव ।

भर्ती की पद्धति: भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा ।

11

12

सीधी भर्ती द्वारा :

लागू नहीं होता ।

टिप्पण:—पदधारी के प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण पर या लंबी बीमारी या अध्ययन छुट्टी या किन्हीं अन्य परिस्थितियों में एक वर्ष या उससे अधिक अवधि के लिए बाहर रहने के कारण हुई रिक्तियां प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण पर (जिसके अंतर्गत अल्पकालिक संविदा भी है) केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों/पब्लिक सेक्टर उपक्रमों/स्वशासी/अर्द्ध-सरकारी निकायों के ऐसे अधिकारियों में से भरी जा सकेगी :—

- (क) (1) जो नियमित आधार पर सदृश पद धारण किए हुए हैं ; या  
(2) जिन्होंने 1640--2900 रुपए या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर तीन वर्ष नियमित सेवा की है; और  
(ख) जिनके पास स्लॉम 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव हैं ।



यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

14

समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति  
(पुष्टि पर विचार करने के लिए) :

संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

1. संयुक्त सचिव (डेरी विकास)---अध्यक्ष
2. महा प्रबंधक, दिल्ली दुग्ध योजना---सदस्य
3. ज्येष्ठ डेरी इंजीनियर, दिल्ली दुग्ध योजना---सदस्य।

टिप्पणः—सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति की पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

[फा. सं. 3-5/90-एल. डी.-1]

एल. सी. मेहरा, अवसर सचिव

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Animal Husbandry and Dairying)

New Delhi, the 4th October, 1993

ise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the rules regulating the method of recruitment to the post of Assistant Engineer (Agriculture), namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Assistant Engineer (Electronics), Delhi Milk Scheme Recruitment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age-limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age-limit, qualifications and other matters relating thereto shall be specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with any person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order and for reasons to be recorded in writing, and after consultation with Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules, shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of the post	No. of Posts	Classification	Scale of pay
1	2	3	4
Assistant Engineer (Electronics)	1* (1993) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'B' Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500

Whether selection post or Non-Selection post.	Age limit for direct recruits.	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972.	
5	6	7	
Not applicable	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). NOTE:- The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti district and Pangi Sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep).	No	
Educational and other qualifications required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods.
8	9	10	11
<b>ESSENTIAL:</b> (i) Degree in Electronics Engineering from a recognised University or equivalent. (ii) Two years' experience in operation/Printed Circuit Boards, Level maintenance of electronic equipment/Circuits. NOTE 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. NOTE 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the UPSC is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. <b>DESIRABLE:</b> Experience in electronic circuits of the type of Form Fill Seal Poly Pack Machines.	Not applicable.	Two years.	By direct recruitment. NOTE : Vacancies caused by the incumbents being away on transfer on deputation or long illness or study leave or under other circumstances for a duration of one year or more may be filled on transfer on deputation (including short-term contract) from officers of Central Government/State Government/Union Territories/Public Sector Undertakings/Autonomous/Semi-Government bodies. (a) (i) holding analogous posts on regular basis; or (ii) with three years regular service in posts in the scale of Rs. 1640-2900/- or equivalent; and (iii) Possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 8.
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If Departmental Promotion Committee exists, what is its composition?		Circumstance in which the Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
12	13		14
Not applicable	<b>GROUP 'B' DEPARTMENTAL PROMOTION COMMITTEE</b> (for considering confirmation) 1. Joint Secretary (Dairy Development)—Chairman. 2. General Manager, Delhi Milk Scheme—Member. 3. Senior Dairy Engineer, Delhi Milk Scheme—Member. "NOTE: The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of direct recruit shall be sent to the commission for approval. If, however, these are not approved by the commission a fresh meeting of the DPC to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held".		Consultation with the Union Public Service Commission necessary.

## कृषि मंत्रालय

(कृषि एवं सहकारिता - विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1993

सा. का. नि. 524.— 30 मई, 1992 को भारत के राजपत्र के भाग—II खंड 3, उपखंड (i) पृष्ठ सं. 798 से 1800 में भारत सरकार कृषि मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 263, दिनांक 20 मई, 1992 के साथ प्रकाशित पौध संरक्षण संगरोध एवं संवयन निदेशालय, सहायक निदेशक (पौध विषाणु, विज्ञान/पौध जीवाणु विज्ञान) भर्ती नियम, 1992 में :—

पृष्ठ संख्या 798 के स्तम्भ संख्या 11 के (ii) में विद्यमान प्रवृष्टि के बाद निम्नलिखित वाक्य जोड़े।  
“उसी संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से तत्काल पूर्व धारित किसी अन्य कैडर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि सहित इस प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

[मिसिल सं. 13-2-90 पी. पी. II]

पी. के. गांधी, भवर सचिव

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Co-operation)

## CORRIGENDUM

New Delhi, the 6th October, 1993.

G.S.R. 524.—In the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage Assistant Director (Plant Virology/Plant Bacteriology) Recruitment Rules, 1992, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture, Number G.S.R. 263, dated the 20th May, 1992 at pages 798 to 800 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 30th May, 1992 :—

- (1) at page 798 in the sub-rule (4) of rule 1 for “Solraige”, read “Storage”.
- (2) at page 799, in the Schedule,—
  - (a) in column 7, in the Note in line 6, add the word “for”, after the word “benefits”;
  - (b) in column 11 in the Notes for “incubent”, read “incumbent”
  - (c) in column 1, after the existing entry the following shall be added, namely :—

“Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 (three) years.”

[No. 13-2/90-PP.II]

P. K. GANDHI Under Secy.

## ग्रामीण विकास मंत्रालय

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1993

सा. का. नि. 525.—भारत के राजपत्र भाग—II, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 18 जनवरी, 1993 के पृष्ठ संख्यांक 24 पर प्रकाशित वनस्पति तेल श्रेणीकरण एवं चिन्हांकन (संशोधन) नियम, 1993 में भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय की तारीख 1 जनवरी, 1993 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 24 (घ) में,—

1. पृष्ठ संख्या 3 पर अनुसूची संख्या—1 में,—

(i) कालम 3 के शीर्षक में “Y+SR” को “Y+ 5R” पढ़ें।

(ii) कालम 5 में श्रेणी I और श्रेणी II के सामने की गई प्रविष्टियों में “1.4646 से 1.4663 तक” को “1.4646 से 1.4662 तक” पढ़ें।

(iii) कालम II के शीर्षक में “दूरविद्योती” को “टैरबोडिटी” पढ़ें।

(iv) कालम II के अन्तर्गत श्रेणी I और श्रेणी II के सामने की गई प्रविष्टियों में, “27.5” को “23.0 से 27.5 तक” पढ़ें।

(v) कालम 15 और 16 के शीर्षक क्रमशः “विवरण” और “सामान्य-अवस्थाएं” पढ़ें।

2. पृष्ठ संख्या 4 पर,—

(1) अनुसूची I में, कालम 15 के अन्तर्गत श्रेणी I के सामने की गई प्रविष्टि के अन्त में चौथी पंक्ति में “अभिप्राप्त किया जाएगा” यह वाक्यांश जोड़ें।

(2) अनुसूची II में,—

(क) कालम 3 के शीर्षक में, “Y+SR” को “Y+5R” पढ़ें।

(ख) कालम 3 के अन्तर्गत श्रेणी परिष्कृत के सामने की गई प्रविष्टि में “3(10)\*” को “3(10)\*\*” पढ़ें।

(ग) कालम 6 के अन्तर्गत श्रेणी परिष्कृत के सामने की गई प्रविष्टि में, “88 से 195 तक” को “188 से 195 तक” पढ़ें।

3. पृष्ठ संख्या 5 पर,—

(i) अनुसूची 2 में,—कालम 12 के अन्तर्गत श्रेणी II के सामने की गई प्रविष्टि की पहली लाइन में “स्विकृतगंधिता” के स्थान पर “विकृतगंधिता” पढ़ें और पाँचवीं लाइन में “से मुक्त एवं” को हटा दें।



## अनुसूची - 8

(नियम 3 और 4 देखिए)

कुसुम के तेल के लिए एगमार्क श्रेणी प्रमिष्ठान और क्वालिटी की परिभाषा

## क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी प्रमिष्ठान	आपतद्रव्य भार में प्रतिफल (से.मि.प्रति.क)	Y + 5R से गहरा नहीं के रूप में प्रमि- व्यक्त किए गए 1/4" कोशिका में कोविबांड स्केल * पर रंग	30°/30° सी पर आपतित प्रसरण	40. सी पर आ- वर्तनीय	आवृत्ति तरण माप	आयोडिन माप (ग्रेज पद्धति)
1	2	3	4	5	6	7
परिष्कृत	0.10	2.5	0.915 से 0.920 तक	1.4674 से 1.4689 तक	139 से 195 तक	138 से 143 तक
श्रेणी-I	0.25	15	0.915 से 0.920 तक	1.4674 से 1.4689 तक	189 से 195 तक	139 से 148 तक
श्रेणी-II	0.25	15	0.915 से 0.920 तक	1.4674 से 1.4689 तक	189 से 195 तक	138 से 148 तक
8	9	10	11	12		
श्रेणी-I	1.0	2.0	16	कुसुम तेल केवल साफ और मजबूत कुसुम बीज (सारथामस टोकोटो- रियस) के निष्पीडन की प्रक्रिया द्वारा अभिप्राप्त किया जाएगा।	तेल अभिशुद्ध, स्वच्छ और सुगन्ध- मय होगा। तेल साफ और विकृतगंधिता अन्य तेल या पदार्थ के अधिमिश्रण से मुक्त होगा। तेल, खनिज तेल, तनछटी, निलम्बित द्रव्य, पषकृत जल, आपतिजनक सुगन्ध, जोड़े गए रंजकों और सुस्विकारक पदार्थों से भी मुक्त होगा। तेल में स्वीकृत आक्सीडेंट प्रतिरोधी तरफ हो सकते हैं जो सामान्यता में खाद्य मिलावट निवारण नियमा- वली, 1955 में विनिर्दिष्ट संख्या से अधिक नहीं होंगे।	
श्रेणी-II	1.0	6.0	16	कुसुम तेल केवल साफ और मजबूत कुसुम बीज (सारथामस टोकोटो- रियस) के निष्पीडन की प्रक्रिया द्वारा अभिप्राप्त किया जाएगा।	तेल अभिशुद्ध, स्वच्छ और सुगन्ध- मय होगा। तेल साफ और विकृतगंधिता अन्य तेल या पदार्थ के अधिमिश्रण से मुक्त होगा। तेल, खनिज तेल, तनछटी, निलम्बित द्रव्य, पषकृत जल, आपतिजनक सुगन्ध, जोड़े गए रंजकों और सुस्विकारक पदार्थों से भी मुक्त होगा। तेल में स्वीकृत आक्सीडेंट प्रतिरोधी तरफ हो सकते हैं जो सामान्यता में खाद्य मिलावट निवारण नियमा- वली, 1955 में विनिर्दिष्ट संख्या से अधिक नहीं होंगे।	

टिप्पणी:— \*कोविबांड टोकोमीटर की अनुपस्थिति में, रंग मानक रंग तुलनाधारों से देखा जाना चाहिए।

\*\*विलायक निष्कषित तेल की घशा में, पेन्तकी-मार्टेन्स संयुक्त पद्धति द्वारा प्रज्वलन ताप 250° सेंटीग्रेड से कम नहीं होना और आघातों को "विस्फोटक अर्थ" चिह्नित किया जाएगा।

13. पृष्ठ सं. 15 पर अनुसूची-9 में,—

- (i) कालम 3 के शीर्षक में “लोवीबाह स्केल\*” को “लोवीबाह स्केल” पढ़ें।
- (ii) कालम 11 के अन्तर्गत श्रेणी अभिधान “धुला हुआ” के सामने की गई प्रविष्टि की दूसरी लाइन में “पदार्थ-अधिमिश्रण” को “पदार्थ के अधिमिश्रण” पढ़ें।

14. पृष्ठ सं. 16 पर अनुसूची 10 में,—

- (i) कालम 3 का शीर्षक निम्नवत् पढ़ें—  
“ $Y + 5R$  ( से गहरा नहीं ) के रूप में अभिव्यक्त किए गए। “कोशिका में लोवीबाह स्केल\* पर रंग”।
- (ii) कालम 3 के अन्तर्गत प्रविष्टि को “20 (प्रभावी हरा रंग नहीं)” पढ़ें।
- (iii) कालम 9 के शीर्षक में “अम्ल” को “अम्ल” पढ़ें।
- (iv) कालम 11 के अन्तर्गत प्रविष्टि की सातवीं लाइन में “माप” को “भाप” पढ़ें।

15. पृष्ठ सं. 17 पर अनुसूची 11 (क) में कालम 13 के अन्तर्गत प्रविष्टि की तीसरी लाइन में “निष्कर्षण” को “निष्कर्षण\*\*” पढ़ें।

16. पृष्ठ सं. 18 पर अनुसूची 11 (ख) में,—

- (i) कालम 3 के शीर्षक में “5-14” और “स्केल\*” को क्रमशः “ $5 \frac{1}{4}$ ” और “स्केल\*\*” पढ़ें।
- (ii) कालम 14 की प्रविष्टि की तीसरी लाइन में, “निष्कर्षण” को “निष्कर्षण\*\*\*” पढ़ें।

17. पृष्ठ सं. 19 पर, कालम 11 में श्रेणी अभिधान परिष्कृत\*\*\* के सामने की गई प्रविष्टि में चौथी लाइन में “निष्कर्षण” को “निष्कर्षण” पढ़ें।

18. पृष्ठ सं. 21 पर अनुसूची 14 में कालम 10 को “टाइटर (0 से) से कम नहीं” पढ़ें।

19. पृष्ठ सं. 23 पर,—

- (i) अनुसूची 16 में,—  
(क) कालम 1 के अन्तर्गत की गई प्रविष्टि को “अविनिविष्ट श्रेणी\*” पढ़ें।  
(ख) “टिप्पणी” को “टिप्पणी\*” पढ़ें।
- (ii) अनुसूची 17 (क) में एगमार्क लेबल पर डिजाइन में तमिल और तेलगु में लिखे गए शब्दों को हटा दें।

[सं. एफ. 10-2/88—एम. II]

पी. ज्योति राव, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT CORRIGENDUM

New Delhi, the 30th September, 1993

G.S.R. 525—In the notification of the Government of India, in the Ministry of Rural Development, number GSR 24(E) dated 1st January, 1993, published at page numbers 25 to 47 of the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (i), dated the 18th January, 1993 in the Vegetable Oils Grading and Marking (Amendment) Rules, 1993,—

1. at page 25, in sub-rule (ii) of rule 5, for “replce”, read “replica”;
2. at page 26—(i) in sub-rule (5) of rule 6, for “obexious” read “obnoxious”;
- (ii) in sub-rule (1) of rule 7,  
(a) for “work” read “mark”; and  
(b) for “contain” read “container”;
- (iii) in Schedule I—  
(a) under column 10, in the entry against the grade designation “Refined” for 1.5 read 0.05;  
(b) in the “Leading” for column 11 for “aactic”, read “acetic”;
3. at page 27,—  
(i) In Schedule I under column 15 for the description against the grade designation “Refined”,—  
(a) in line 5 for “salient”, read “solvent”;  
(b) in line 8, for “physica” and “miscalla”, read “physical” and “miscella” respectively;  
(c) in line 9, for “grane” read “grade”;
- (ii) in the description against grade designation “Grade II” for “saraon” read “sarson”;
- (iii) in column 16 for general requirements against grade designation, “Refined”,—  
(a) in first line, for “flaOour”, read “flavour”;
- (b) in lines 6 and 7, for the words “added colouring of flavouring matter nbnoxious odour”, read “added colouring or flavouring matter and obnoxious odour”;
- (c) in line 7, for “anti-evindx oxidants” read “anti-oxidants”;
- (d) in the general requirements under the same column against grade designation, “Grade-I”, in the first line, for “flaooour” read “flavour”;
- (e) in Schedule II, the heading for column 7, for “wig’s” read “Wij’s”;
4. at page 28, in Schedule II, under the column 11 for description, against the grade designation, “Refined”, in line 3, for “Arachie”, read “Arachis”;
5. at page 29, in Schedule III (A),—  
(i) in the headings for columns 3, 9 and 10, for “wig’s” read “Wij’s”;  
“Acid”, and “Bellier’s” respectively;
- (ii) in the foot note (for “closed-up” read “closed-cup”.
6. at page 30, in Schedule III (B),—  
(i) under column 7, in the entry against the grade designation “Grade II (E.R)”, for “1.15” read “115”;
- (ii) in the foot note for “closed-up” read “closed-cup”;
7. at page 34, in Schedule VI,—  
(i) in the heading for column 6, for “comlumn” read “column”;
- (ii) Column number “12” shall be indicated after column 11;
- (iii) in the heading for column 12, for “Acetyly”, read “Acetyl”;

(iv) under column 14, in the entries against the grade designation, "Medicinal", for "caster Seed (Ricinus communis)" read "Castor seed (Ricinus communis)";

(v) Under column 15, in the entries against "Solubility", in the last line, for "ecitic", read "acetic";

8. at page 35,—

(i) in Schedule VI, against the grade designation "Commercial Grade II", under columns 14 and 15 the entries cited there above against the grade designation, "Commercial Grade-I" shall be reproduced respectively;

(ii) in Schedule VII—

(a) under column 1 for "Grade", read "Grade-I";

(b) under column 4, in the entry against "Grade-I" so corrected, for "0.90" read "0.920";

(c) in the heading for column 6, the word "method" shall be omitted.

9. at page 36,—

(a) in Schedule VII, in line 5 of column 11 for description against grade designation "Refined", for "solvent extraction", read "solvent extraction\*\*\*" and in line 11, for "earch" read "earth";

(b) in Schedule VIII, in the headings for columns 2 and 6, for "weigh" and "Saponification", read "weight" and "Saponification" respectively;

10. at page 37, in column 11 for description against the grade designation, "Refined", in lines 3 and 5, for "clear" and "tin torious", read "clean" and "tinctorius" respectively;

11. at page 38, in Schedule IX,—

(i) under column 1, for "shed", read "washed\*\*\*";

(ii) in the heading for column 4, for "Specified"; read "Specific";

(iii) in the entry under column 6 against grade designation, "Refined", for "194" read "198";

12. at page 40, in the heading for Schedule XI-A. for "Seyabden Oil", read "Soyabean Oil";

13. at page 41,—

(i) in the heading for Schedule XI-B, for "Soyabean". read "Soyabean oil";

(ii) under column 15 for general requirements, in the first line, for "cleaned", read "Clear";

(iii) in the heading for column 13, for "weights"; read "wright";

(iv) in the footnote, for "BRHWD" read "RBHWD";

14. at page 42 in Schedule XII,—

(i) the entry under column 7 against the grade designation, "Grade-I" shall be indicated as "100 to 140";

(ii) in third line of description under column 11, against the grade designation, "Refined", for "nad", read "and";

15. at page 44, in Schedule XIV,—

(i) in the heading for column 10, for "Titra", read "Titre";

(ii) in the footnote for "held", read "shall";

16. at page 45, in Schedule XV—

(i) in line 10 of the description under column 10, for "decidification", read "de-acidification";

(ii) in the foot-note, for "expert", read "export";

17. at page 46, in the Schedule XVII (A), in the design, the words in Tamil and Telugu language shall be deleted.

वस्त्र मंत्रालय

[विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय]

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1993

सा. का. नि. 526.—गणपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विकास आयुक्त (ह.) कार्यालय, के अधीन सामान्य सुविधा सेवा केन्द्र, फर्रुखाबाद तथा अहमदाबाद में तकनीकी पर्यवेक्षक के भर्ती नियम 1987 का संशोधन करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम विकास आयुक्त (ह.) कार्यालय के अधीन, सामान्य सुविधा सेवा केन्द्र, फर्रुखाबाद तथा अहमदाबाद के तकनीकी पर्यवेक्षक भर्ती (संशोधन) नियम, 1993 कहे जा सकेंगे।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. विकास आयुक्त (ह.) कार्यालय के अधीन सामान्य सुविधा सेवा केन्द्र, फर्रुखाबाद तथा अहमदाबाद में तकनीकी पर्यवेक्षक भर्ती नियम 1987 में नियम 3 के पश्चात् निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

"3 (क) प्रारम्भिक गठन: वे कर्मचारी जो तकनीकी पर्यवेक्षक के पद पर विकास आयुक्त (ह.) कार्यालय, के अधीन सामान्य सुविधा सेवा केन्द्र, फर्रुखाबाद तथा अहमदाबाद में तकनीकी पर्यवेक्षक भर्ती नियम, 1987 के प्रारम्भ होने की तारीख से पहले तदर्थ आधार पर नियुक्त थे, विकास आयुक्त (ह.)

कार्यालय के अधीन सामान्य सुविधा सेवा केन्द्र, फर्रुखाबाद तथा अहमदाबाद में तकनीकी पर्यवेक्षक, भर्ती (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारम्भ होने की तारीख से उन्हीं पदों पर नियमित आधार पर नियुक्त माने जाएंगे, यदि इन पदों पर उनकी नियुक्ति निर्धारित प्रक्रिया के जरिए आवेदन पत्र मांगे जाने के पश्चात् विधिवत गठित चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर की गई होगी।"

[सं. एच बी/वस्त्र/4/5/78—प्रशा.-3]

एल. एस. एम. सालिन्स, अपर विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

पाठटिप्पणी : भूत नियम अधिसूचना सं. 972 दिनांक 26-12-87 द्वारा प्रकाशित

MINISTRY OF TEXTILES

[Office of the Development Commissioner (Handicrafts)]

New Delhi, the 21st September, 1993

G.S.R. 526.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Mechanical

[No. F. 10-2/88-M-II]

P. JYOTI RAO, Jt. Secy.

Supervisor, Common Facility Service Centre at Farrukhabad and Ahmedabad under the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) Recruitment Rules, 1987, namely :—

1. (1) These rules may be called the Mechanical Supervisor, Common Facility Service Centre at Farrukhabad and Ahmedabad under the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) Recruitment (Amendment) Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their Publication in the Official Gazette.

2. In the Mechanical Supervisor, Common Facility Service Centre, Farrukhabad and Ahmedabad under the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) Recruitment Rules, 1987, after rule 3, the following rule shall be substituted, namely :—

"3. A. Initial constitution.—The officials who were appointed to the post of Mechanical Supervisor on ad-hoc basis prior to the date of commencement of the Mechanical Supervisor, Common Facility Service Centre at Farrukhabad and Ahmedabad under the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) Recruitment Rules, 1987 shall be deemed to have been appointed to the respective post on regular basis from the date of commencement of the Mechanical Supervisor, Common Facility Service Centre at Farrukhabad and Ahmedabad under the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) Recruitment (Amendment) Rules, 1993, if they are found to have been appointed to those posts on ad-hoc basis on the basis of recommendations of the duly constituted Selection Committee after calling for applications through prescribed procedure."

[No. HB/Tex/4/5/78-Admn. III]

L. S. M. SALINS, Addl. Development Commissioner (Handicrafts).

FOOT NOTE :—Principal rules published vide Notification G.S.R. No. 972, dated 26-12-1987.

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1993

सा. का. नि. 527 :—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विकास आयुक्त (ह.) कार्यालय (सामान्य सुविधा सेवा केन्द्र (बस्त्र), फर्रुखाबाद तथा अहमदाबाद में वर्ग "ग" पद) भर्ती नियम, 1986 का संशोधन करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम विकास आयुक्त (ह.) कार्यालय (सामान्य सुविधा केन्द्र (बस्त्र), फर्रुखाबाद तथा अहमदाबाद वर्ग "ग" पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1993 कहे जा सकेंगे।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. विकास आयुक्त (ह.) कार्यालय (सामान्य सुविधा केन्द्र (बस्त्र) फर्रुखाबाद तथा अहमदाबाद में वर्ग "ग" पद) भर्ती नियम, 198 के नियम 4 के पश्चात्, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

"4 (क) प्रारम्भिक गठन : वे कर्मचारी जो मशीन मैन (पोलिरीजर), मशीन मैन (स्टीम एगर), बायलर, परिपर, विजली मिस्री तथा फिटर के वर्ग "ग" पदों पर, विकास आयुक्त (ह.) कार्यालय

(सामान्य सुविधा सेवा केन्द्र (बस्त्र) फर्रुखाबाद तथा अहमदाबाद में वर्ग "ग" पद) भर्ती नियम 1986 के प्रारम्भ होने की तारीख से पहले तदर्थ आधार पर नियुक्त थे, विकास आयुक्त (ह.) कार्यालय (सामान्य सुविधा सेवा केन्द्र, फर्रुखाबाद तथा अहमदाबाद में वर्ग "ग" पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारम्भ होने की तारीख से उन्हीं पदों पर नियमित आधार पर नियुक्त माने जाएंगे, यदि उन पदों पर उनकी नियुक्ति निर्धारित प्रक्रिया के लिए आवेदन पत्र मांगे जाने के पश्चात् विधिपूर्वक गठित चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर की गई होगी।"

[सं. 8(7-2)/85—प्रशा. 3]

एन. एच. सा. सलिन, अवरिक्त आ. युक्त (हस्तलिखित)

पादटिप्पणी : मूल नियम अधिसूचना सं. सा. का. नि.

340 दिनांक 10-5-85 द्वारा प्रकाशित

New Delhi, the 21st September, 1993

G.S.R. 527.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) [Group 'C' posts in Common Facility Service Centre (Textile at Farrukhabad and Ahmedabad) Recruitment Rules, 1986, namely :—

1. (1) These rules may be called the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) [Group 'C' posts in Common Facility Service Centre (Textiles) at Farrukhabad and Ahmedabad] Recruitment (Amendment) Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) [Group 'C' posts in Common Facility Service Centre (Textiles) at Farrukhabad and Ahmedabad] Recruitment Rules, 1986, after rule 4 the following rule shall be substituted, namely :—

"4. A. Initial constitution.—The officials who were appointed to the Group 'C' posts of Machine Man (Polymariser), Machine Man (Steam Ager), Boiler Attendant, Electrician and Fitter on ad-hoc basis prior to the date of commencement of the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) [Group 'C' posts in Common Facility Service Centre (Textiles) at Farrukhabad and Ahmedabad] Recruitment Rules, 1986 shall be deemed to have been appointed to the respective post or regular basis from the date of commencement of the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) [Group 'C' posts in Common Facility Service Centre (Textiles) at Farrukhabad and Ahmedabad] Recruitment (Amendment) Rules, 1993, if they are found to have been appointed to those posts on ad-hoc basis on the basis of recommendations of the duly constituted Selection Committee after calling for applications through prescribed procedure."

[No 3(7-2)/85-Admn. III]

L. S. M. SALINS, Addl. Development Commissioner (Handicrafts).

FOOT NOTE :—Principal rules published vide Notification No. G.S.R. 340, dated 10-5-1986.